06-09-2021

शर्करा, इथेनॉल के अलावा बहुउत्पाद तैयार कर रहीं चीनी मिलें

पूर्व निदेशकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं को शाल, प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

पूर्व निदेशक डा. एसके गुप्ता को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित करते मंत्री सुरेश राणा व अन्य।

सन् 1930 में चीनी उत्पादन का मॉडल देख भौचक हुए कैबिनेट मंत्री

कानपुर, 5 सितम्बर। गन्ना विकास एवं शर्करा उद्योग मंत्रालय, कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने आज एनएसआई परिसर मेंस्थित मॉडल कक्ष का उदघाटन किया। इस मॉडल कक्ष में सन 1930 की चीनी मिलों के उपकरणों के मॉडल लगाए गए हैं। दिखाया गया है कि किस तरह चीनी उत्पादन होता था। कैबिनेट मंत्री मॉडल देख भौचक रह गये। वर्तमान में नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों भी जानना चाहेगी। मंत्री ने निदेशक से कहाकि चीनी उद्योग से जुड़े इतिहास को ही मॉडल कक्ष में समेट दर्शाया गया।

शिक्षक दिवस

कानपुर, 5 सितम्बर। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के सभागार में आयोजित शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि गन्ना विकास एवं शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा ने कहाकि एनएसआई सिर्फ देश को नहीं बल्कि दुनिया को शर्करा में नई तकनीक दे रहा है। संस्थान की बदौलत अब चीनी मिलें सिर्फ, चीनी, ईधन, इथेनॉल तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि अब वे बहुउत्पाद तैयार कर रही हैं, जोकि चीनी उद्योग के साथ उससे जुड़े किसानों की आमदनी की बढ़ोत्तरी होगी। मंत्री ने कहाकि कोविड-19 के दौर में भी वैज्ञानिकों की मदद से चीनी मिलों का काम नहीं रुका और चीनी मिलें अच्छी गुणवत्ता वाले सेनेटाइजर तैयार कर बाजार में उतारे है। समारोह में मंत्री ने पूर्व निदेशक प्रो. आर.बी. निगम, प्रो. आर.के. वैश्य, प्रो. एस.के. गुप्ता, डॉ. आर.पी. शुक्ला, प्रो. पी.के. अग्रवाल और शिक्षिकाएं डॉ. कल्पना बाजपेई, डॉ. किरण सिंह को शाल व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि देश में शर्करा उद्योग में तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। अब दुनिया में ब्राजील के बाद भारत का नंबर आता है। आजादी से पहले देश की 135 चीनी मिलें 1.1 मिलियन टन चीनी उत्पादन करती थी, जबकि अब 530 चीनी मिलें 35 मिलियन टन उत्पादन कर रही हैं। उन्होंने कहाकि अब चीनी मिलें शर्करा के अलावा ऊर्जा, इथेनॉल समेत बहुउत्पाद तैयार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मिलों की तकनीक क्षमता, उत्पादन, किसान उद्योग आदि का संतुलन बनाकर संस्थान ने बेहतर कार्य किया है। एनएसआई की बदौलत उत्तर प्रदेश में रिकवरी में नंबर-एक है। उज्ज शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने कहा कि शर्करा उद्योग को विविध जैव उत्पादों के हब के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है, जिससे रोजगार के क्षेत्र विकसित होंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि आएगी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि देश में आजादी के समय फ्रांस और जर्मनी से चीनी मिलों से जुड़े मशीनों का आयात होता था, जबकि अब वर्तमान में देश से करीब 40 देशों को चीनी उद्योग से जुड़ी मशीनों को निर्यात कर रहे है, जोकि चीनी उद्योग गति देने के साथ आत्मनिर्भर की ओर बढता कदम है। इस दौरान संस्थान के आचार्य डा. स्वेन, प्रदीप खंडेलवाल आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं के अलावा विद्यार्थी रहे।

कृषि सुधार के लिए लाया गया कानून

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में शिक्षक दिवस पर गन्ना विकास और शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा ने शिक्षकों को सम्मानित किया। मुरादाबाद में हो रही किसान पंचायत पर कहा कि कृषि सुधार के लिए कानून बनाया गया है। यह कानून किसानों के हित के लिए है। वर्ष 2022 में किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य है।

बताया कि प्रदेश में इथेनॉल का उत्पादन 42 करोड़ लीटर से बढ़कर 88 करोड़ लीटर सालाना हो गया है।

कैबिनेट सुरेश राणा, राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, निदेशक नरेंद्र मोहन व अन्य। विज्ञप्ति

मोलासेस से इथेनॉल बनाने वाली फैक्टरी चार से बढ़कर 55 हो गई हैं। चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश ने ब्राजील को पीछे छोड़ दिया है। राज्यमंत्री नीलिमा कटियार ने कहा कि शर्करा के क्षेत्र में संस्थान अन्य देशों को राह दिखा रहा है। गोष्ठी में एनएसआई के निदेशक ने चीनी उद्योग की तस्वीर पेश की। चीनी उद्योग में इस्तेमाल की जा रही नई तकनीक बताई गई। एनएसआई में मॉडल कक्ष का उद्घाटन किया गया। वर्ष 1930 में इस्तेमाल किए जाने वाले शर्करा उपकरण प्रदर्शित किए गए। इस मौके पर प्रोफेसर डी स्वेन, प्रदीप खंडेलवाल, महेंद्र कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

इनका किया सम्मान

- पूर्व निदेशक डॉ. आरबी निगम, डॉ. आरके वैश्य, डॉ. एसके गुप्ता, डॉ. राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, डॉ. संदीप कुमार मित्रा।
- पीएचडी करने वाली पुरातन छात्राएं - डॉ. कल्पना वाजपेयी, डॉ. किरन सिंह।
- पूर्व प्रोफेसर - डॉ. पीके अग्रवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार जैन, डॉ. एसके दुबे, डॉ. एनएन श्रीवास्तव, डॉ. एसपी शुक्ला, डॉ. पीएनआर राव।

गन्ने के कचरे से बनाई जाएगी बायो सीएनजी और बायो गैस

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

एनएसआई में बायो गैस बनाने का प्रयोग सफल, प्रदेश सरकार ने बढ़ाए हाथ, निजी कंपनियों के साथ मिलकर बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किया जाएगा.

● एनएसआई पहुंचे प्रदेश के गन्ना विकास व चीनी मिल मंत्री सुरेश राणा

kanpur@inext.co.in

KANPUR (5 Sept): गन्ने से चीनी व एथेनाल निकालने के बाद बचे अपशिष्ट का यूज वाहन चलाने में ईंधन के रूप में किया जाएगा. नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने इस अपशिष्ट से फिल्टर केक बनाकर बायो सीएनजी तैयार करने में सफलता हासिल की है. अब इसे बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी हो रही है. इसके लिए प्रदेश सरकार ने भी हाथ बढ़ाए हैं. निजी कंपनियों के साथ मिलकर बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किया जाएगा. प्रदेश के गन्ना विकास व चीनी मिल मंत्री सुरेश राणा ने इस बात के संकेत दिए हैं. उन्होंने एनएसआई की इस रिसर्च का औद्योगिकीकरण किए जाने के लिए डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन से डिटेल में योजना तैयार करने के लिए कहा है.

30 से 35 लाख टन

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि चीनी मिलों से भारी मात्रा में अपशिष्ट निकलता है, जिसे कूड़े में डाल दिया जाता है. इससे फिल्टर केक तैयार करके बायो सीएनजी व बायो गैस बनाई जा सकती है. उन्होंने एनएसआई लैब में इसके परीक्षण के लिए छोटा प्लांट लगाया है. प्रदेश में 121 चीनी मिले हैं. गन्ने पेराई के दौरान सीजन में 30 से 35 लाख टन अपशिष्ट निकलता है. इसे अपशिष्ट केक बनाकर संरक्षित कर सकते हैं. जिससे बायो सीएनजी व बायो गैस बनाकर ईंधन की जरूरत पूरी की जा सकती है.

इंडोनेशिया से करार की तैयारी

मिस्र, श्रीलंका व नाइजीरिया के बाद अब एनएसआई इंडोनेशिया से करार करने जा रहा है. एनएसआई के डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि श्रीलंका में शुगर केन रिसर्च सेंटर के लिए करार किया गया है जबकि नाइजीरिया में एनएसआई ने नाइजीरिया शुगर इंस्टीट्यूट स्थापित किया है. मिस्र में शुगर टेक्नोलाजी व रिसर्च सेंटर की मॉडर्न लैब संस्थान के सहयोग से विकसित की गई है. अब इंडोनेशिया के साथ ही शोध के क्षेत्र में काम किया जाएगा. प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि दुनिया के कई संस्थानों से एनएसआई चीनी उत्पादन की तकनीकी के शोध संस्थानों में बहुत आगे है.

गन्ना मंत्री बोले-दुनिया को नई तकनीक दे रहा एनएसआई

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) देश ही नहीं बल्कि दुनिया को नई तकनीक दे रहा है। संस्थान की बदौलत अब चीनी मिलें सिर्फ चीनी, ईंधन, इथेनॉल तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि बहुउत्पाद तैयार क़र रही हैं। यह बात प्रदेश के गन्ना मंत्री सुरेश राणा ने कही।

शिक्षक दिवस पर संस्थान में सम्मान समारोह, मॉडल कक्ष का उद्घाटन व शर्करा उद्योग-कल, आज व कल विषय पर सम्मेलन हुआ। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि मंत्री सुरेश राणा, विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री नीलिमा कटियार और संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने किया। नीलिमा कटियार ने कहा कि शर्करा उद्योग को विविध जैव उत्पादों के हब के रूप में विकसित करने की जरूरत है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि आजादी के समय देश में फ्रांस व जर्मनी से मशीनें आयात की जाती थीं। अब 40 से अधिक देशों को मशीनें निर्यात कर रहे हैं।

एनएसआई में शिक्षक दिवस पर हुए सम्मान समारोह में मंत्री सुरेश राणा और नीलिमा कटियार ने गुरुजनों का किया सम्मान।

1930 में चीनी उत्पादन का मॉडल देख चौंके मंत्रीः मंत्री सुरेश राणा ने संस्थान में मॉडल कक्ष का उद्घाटन किया। इस कक्ष में वर्ष 1930, की चीनी मिलों के उपकरणों के मॉडल लगाए गए हैं। कैबिनेट मंत्री मॉडल देख चौंक गए और कहा कि ये तो आने वाली पीढ़ियां भी जानना चाहेंगी।

इनका हुआ सम्मानः पूर्व निदेशक प्रो. आरबी निगम, प्रो. आरके वैश्य, प्रो. एसके गुप्ता, डॉ. आरपी शुक्ला, प्रो. पीके अग्रवाल और पीएचडी करने वाली दो महिलाएं डॉ. कल्पना बाजपेई और डॉ. किरण सिंह।

शर्करा संस्थान में पूर्व निदेशकों का हुआ सम्मान

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह में संस्थान के पूर्व निदेशकों प्रो.आरबी निगम, प्रो.आरके वैश्य, प्रो.एसके गुप्ता और डॉ.आरपी शुक्ला एवं प्रो.पीके अग्रवाल को संस्थान की अकादमिक उपलब्धियों में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संस्थान से पीएचडी कर अध्यापन कार्य कर रहीं महिला शिक्षिकाएं डॉ.कल्पना बाजपेई व डॉ.किरण सिंह भी सम्मानित की गईं। कार्यक्रम में बतौर मुख्य व विशिष्ट अतिथि प्रदेश के गन्ना एवं शर्करा उद्योग मंत्री सुरेश राणा व उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने भागीदारी की। संस्थान निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने कहा कि इन शिक्षकों के योगदान के कारण ही संस्थान शर्करा उद्योग को प्रतिस्पर्धी तकनीकी मानव संसाधन उपलब्ध कराने में सक्षम हो सका है। इस अवसर पर 'भारतीय शर्करा उद्योग - कल, आज और कल' विषय पर सम्मेलन भी आयोजित किया गया। संस्थान के मॉडल कक्ष का उद्घाटन भी हुआ, जहां चीनी उद्योग में समय-समय पर उपयोग किये जाने वाले उपकरणों के मॉडल प्रदर्शित किये गये हैं।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करते गन्ना विकास मंत्री सुरेश राणा व राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

Ex-directors of National Sugar Institute felicitated

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: Under the auspices of 'Azaadi Ka Amrit Mahotsav, 'Teachers Day' was celebrated at National Sugar Institute, Kanpur, by felicitating ex-Directors - Prof RB Nigam, Prof RK Vaish, Prof S Gupta and RP Shukla and Professor PK Agarwal of the institute who have contributed significantly in academics thus enabling institute to provide competent technical manpower to the sugar and allied industry, said Director, National Sugar Institute, Kanpur, Prof Narendra Mohan.

Besides them women teachers Kalpana Vapeyi and Kiran Singh who did their Ph D work at the institute and later on took up teaching at other institutions or colleges were also felicitated.Suresh Rana, Minister of Sugarcane Development and Sugar Industries and Nilima Katiyar, Minister, Higher Education, Science & Technology, UP government graced the occasion as chief guest and guest of honour respectively.

Rana lauded the efforts made by National Sugar Institute in providing required technical manpower to the sugar & allied industry and also for the technological developments. He also elaborated various efforts made by the Government of Uttar Pradesh for sugarcane development, clearing dues of sugarcane farmers and also for facilitating the sugar industry to diversify.

Nilima Katiyar called upon the sugar industry to convert itself into hub of multiple products. This will create investments, employment potential and ultimately prosperity in rural areas, she said. On this day, a conference on 'Indian Sugar Industry- yesterday, today and tomorrow' was also organized.

On this occasion, a 'Model Room' at the institute was also inaugurated where models of equipment used by the sugar industry in 1930's and those being used at present have been kept to showcase the technological advancement over the years.

समारोह | गन्ना विकास मंत्री सुरेश राणा बोले, प्रतिवर्ष 125 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन कर रहा उत्तर प्रदेश

ब्राजील के बाद चीनी उत्पादन में देश बना मिसाल

जागरण संवाददाता, कानपुर : गन्ने की बंपर पैदावार और चीनी उत्पादन में देश ने पूरी दुनिया में मिसाल कायम की है। ब्राजील के बाद यह चीनी उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी सर्वाधिक है। ब्राजील में चार सौ लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन होता है, जबकि भारत में करीब 310 मीट्रिक टन चीनी बनाई जा रही है। इसमें प्रदेश की भागीदारी 125 लाख मीट्रिक टन है। यह बातें प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री सुरेश राणा ने रविवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में गोष्ठी व शिक्षक सम्मान समारोह में कहीं।

उन्होंने कहा कि चार साल पहले यहां पर 66 टन प्रति हेक्टेयर गन्ने का उत्पादन होता था, जो अब 81.5 टन है। चार वर्ष पूर्व किसानों को 18 हजार करोड़ प्रतिवर्ष गन्ना के दाम दिए जाते थे, जो अब 36 हजार करोड़ प्रतिवर्ष मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने किसानों का पिछली सरकार में बकाया 10,600 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। चीनी उत्पादन बढ़ाने के बाद अब पेट्रोल में इथेनाल की ब्लेंडिंग 20 से 30 फीसद किए जाने का लक्ष्य है। पहले 42 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष इथेनाल का उत्पादन होता था, जो अब सौ करोड़ लीटर हो रहा है। कोरोना काल में कोई भी चीनी मिल बंद नहीं हुई, बल्कि चार नई स्थापित की गईं। पुरानी मिलों की क्षमता बढ़ाई गई। पिछली सरकारों में 2007 से लेकर 2017 तक 30 चीनी मिलें बंद हुईं और 21 बिक गईं।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आयोजित सम्मान समारोह व विचार गोष्ठी को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ● जागरण

सह उत्पाद बन रहे रोजगार का बड़ा माध्यम: मंत्री ने बताया कि गन्ने का रस निकाले जाने के बाद जो सह उत्पाद निकलते हैं, उनका इस्तेमाल काफी, जिजर, आइस व मेडिसिन समेत विभिन्न प्रकार की चीनी बनाने में किया जा रहा है। अब यह एक बड़े उद्योग के रूप में सामने आ चुका है। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि यह संस्थान भारत रत्न सीवी 'रमन व शिक्षाविद एवं देश के पहले उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन से आशीर्वाद प्राप्त है। उनकी शुभकामनाओं के पत्र आज भी संस्थान में सुरक्षित है।

पूर्व निदेशक और शिक्षाविद सम्मानित: कार्यक्रम में एनएसआइ के पूर्व निदेशक प्रो. राजेंद्र बहादुर निगम, प्रो. राजेंद्र कुमार वैश्य, प्रो. सतीश कुमार गुप्ता व प्रो. राजेंद्र प्रसाद शुक्ला को सम्मानित किया गया। पूर्व प्रो. प्रमोद कुमार अग्रवाल, पूर्व रिसर्च स्कालर डा. कल्पना बाजपेई व डा. किरण सिंह को भी सम्मान मिला। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार व प्रो. डी स्वाइंग समेत शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री व गृहमंत्री एक फोन की दूरी पर उपलब्ध

किसानों की महापंचायत के बारे में पूछे गए सवाल पर गन्ना विकास मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि अपनी बात कहने का सबका अपना तरीका होता है। गन्ना किसानों की समस्या के समाधान के लिए कृषि मंत्री ने 12 बार संयुक्त किसान मोर्चे से वार्ता की है। प्रधानमंत्री व गृहमंत्री एक फोन की दूरी पर उनके लिए उपलब्ध है।

गन्ने के अपशिष्ट से बनेगा बायो सीएनजी और गैस

जागरण संवाददाता, कानपुर : गन्ने से चीनी व इथेनाल निकालने के बाद बचे अपशिष्ट का इस्तेमाल अब राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) फिल्टर केक बनाकर बायो सीएनजी तैयार करेगा। इसके लिए प्रदेश सरकार ने कदम बढ़ाए हैं। निजी कंपनियों के साथ मिलकर बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किया जाएगा। प्रदेश के गन्ना विकास व चीनी मिल मंत्री सुरेश राणा ने रविवार को इसके संकेत दिए हैं।

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि चीनी मिलों से भारी मात्रा में अपशिष्ट निकलता है, जिसे कूड़े में डाल दिया जाता है। इससे फिल्टर केक तैयार करके बायो सीएनजी व बायो गैस बनाई जा सकती है। उन्होंने एनएसआइ प्रयोगशाला में इसके परीक्षण के लिए छोटा प्लांट लगाया है। प्रदेश में 121 चीनी मिले हैं। गन्ना पेराई के दौरान साढ़े तीन फीसद अपशिष्ट निकलता है। चीनी मिलों की संख्या के आधार पर सीजन में 30 से 35 लाख टन अपशिष्ट निकलता है।

इंडोनेशिया से होगा करार

मिस्र, श्रीलंका व नाइजीरिया के बाद अब एनएसआइ इंडोनेशिया से करार करने जा रहा है। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि श्रीलंका में शुगन केन रिसर्च सेंटर के लिए करार किया गया है, जबकि नाइजीरिया में नाइजीरिया शुगर इंस्टीट्यूट स्थापित किया है। मिस्र में शुगर टेक्नोलाजी व रिसर्च सेंटर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला संस्थान के सहयोग से विकसित की गई है। अब इंडोनेशिया के साथ ही शोध के क्षेत्र में काम किया जाएगा।

Minister lauds NSI for providing required technical manpower

KANPUR (PNS): Sugarcane Development and Sugar Industries Minister Suresh Rana, while addressing the Teacher's Day function as part of the Azadi Ka Amrit Mahotsav at National Sugar Institute on Sunday, lauded the efforts made by the NSI in providing required technical manpower to the sugar and allied industries and also for the technological developments.

He said the millers and farmers were the two sides of the same coin and the sugar industry could flourish only when the interests of both remained protected. He also elaborated various efforts made by the Uttar Pradesh government for sugarcane development, clearing dues of sugarcane farmers and also for facilitating the sugar industry to diversify.

Addressing the function, Minister of State for Higher Education Neelima Katiyar called upon the sugar industry to convert itself into a hub of multiple products. She said this would create investments, employment potential and ultimately prosperity in rural areas.